facturing special steel in India has been approved by Government;

(b) if so, the broad details thereof;

(c) the estimated cost thereof;

(d) whether any foreign firm has been asked to collaborate with the Tatas in setting up the proposed plant; and

(e) if so, the name of the collaborating firm and the terms of collaboration?

The Minister of Steel and Mines (Shri Sanjiva Reddy): (a) and (b). A letter of Intent has been issued to Tata Iron and Steel Co. on 25-8-1965 for the establishment of new industrial undertaking in Bihar for the manufacture of 50,000 tonnes of alloy and special steel per annum.

(c) Rs. 21 crores.

(d) and (e). Government have not asked any firm to collaborate with Tata Iron & Steel Co. in this project. No proposals have so far been received by Government in this regard from the party.

रायपुर स्टेशन (दक्षिण पूर्व रेलवे) के निकट रेलगाड़ी और मोटर ट्रक की टक्कर

*831. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री गोकरन प्रसाद :
श्री बागड़ी :
श्री मीर्य :
श्री अन्वारेस :
श्री लहरी सिंह :
श्री लक्ष्मू भवानी :
श्री काशी राम गुप्त :
श्री वारियर :
श्री बूटा सिंह :
श्री गुलशन :
श्री बड़े :
श्री हरि विष्णु कामत :
श्री प्रिय गुप्त :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री प० ला० बाड़पाल :
श्री प० ह० भील :
श्री बी० च० शर्मा :
श्री सरजू पाण्डेय :
श्री बाल्मीकी :
श्री याज्ञिक :
श्री राम हरख यादव :

क्या **रेलवे** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 6 सितम्बर, 1965 को दक्षिण-पूर्व रेलवे के रायपुर-नागपुर सेक्शन पर रायपुर स्टेशन के निकट एक मालगाड़ी की मोटर ट्रक से टक्कर हो जाने के कारण ट्रक चूर-चूर हो गया ;

(ख) क्या दुर्घटना की जांच करने का आदेश दिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला ; और

(घ) भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों इसके लिए क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार है ?

रेलवे मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शाम नाथ) : (क) और (ख). जी हां ।

(ग) समिति की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना का कारण यह था कि मोटर ट्रक के ड्राइवर ने उस समय रेलवे लाइन पार करने की कोशिश की, जब सामने से गाड़ी आ रही थी ।

(घ) सड़क वालों के ड्राइवरों के दुस्साहस के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कार्यवाई करना मुख्यत: राज्य सरकारों का काम है । फिर भी, सड़क का उपयोग करने वालों को शिक्षित करने के लिये रेलों ने प्रचार आन्दोलन भी शुरू कर दिया है ।